Skill Development Programme

For Answer Writing

Economy (Model Answer)

DATE : 12 Sep, 2018 **TIME : 06:30 pm**

मुख्य परीक्षा

प्रश्न- ''सार्वजनिक वितरण प्रणाली सामाजिक न्याय की संकल्पना पर आधारित है, परन्तु इसके क्रियान्वयन की समस्याओं ने इसे प्रतिगामी बना दिया है।'' इस कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं? अपने मत के पक्ष में उचित तर्क दीजिए।

(250 शब्द, 15 अंक)

"Public Distribution System is based on the concept of Social Justice, but its implementation at problems have made it repressive." To what extent you gree with this statement? Give justification for your opinion. (250 Words, 15 Marks)

MODEL ANSWER

उत्तर- भूमिका में निम्न बातों को शामिल किया जा सकता है-

भारत में भूमि तथा भौगोलिक विविधता के साथ उसके स्वामित्व की बड़ी समस्या विद्यमान है, जिसके कारण उत्पादन, वितरण तथा उचित पोषण की समस्या देखी जाती है। इसके समाधान के लिए वर्ष 1960 के दशक में सार्वजनिक वितरण प्रणाली का क्रियान्वयन किया गया, जो अपने कुछ सीमाओं के साथ परिवर्तित रूप में विद्यमान हैं।

मुख्य विषयवस्तुः-

- अपने प्रारम्भ के कुछ वर्ष बाद सार्वजनिक वितरण प्रणाली लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली के रूप में देखा गया।
- इसके माध्यम से पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक उचित पोषण पहुँचाने का प्रयास किया गया।
- जिससे गरीबी रेखा के नीचे जीवन-यापन कर रहें लोगों का उचित पोषण कर स्वस्थ समाज और राष्ट्र का निर्माण किया जा सके।
- यह न केवल उचित वितरण बल्कि उचित कीमत पर आधारित वितरण के साथ सामाजिक न्याय की पूर्ति भी करता है। इस संदर्भ में संविधान के अनुच्छेद-47 को यह व्यवहारिक रूप प्रदान करता है।

क्रियान्वयन की समस्या-

- लाभार्थी के सही पहचान की समस्या के कारण अधिक आय वर्ग के लोग इसका अधिक लाभ ले रहें हैं।
- इस प्रणाली में लिकेज की समस्या के कारण खाद्यान्न, संबंधित व्यक्ति तक पहुँचने की बजाए खुले बाजार में चला जाता है, जिससे वास्तविक लाभार्थी का हित प्रभावित होता है।
- इण्डिपेंडेंट इवोलुशन ऑफिस द्वारा किए गए अनुसंधान के आधार पर पी.डी.एस. का 1/3 भाग खुले बाजार में चला जाता है।
- वहीं संचालन के अभाव में यह खाद्यान्न खुले बाजार पर विपरीत प्रभाव डालता है।
- पी.डी.एस. का शहरी क्षेत्र पर अधिक झुकाव होने के कारण सामाजिक न्याय की संकल्पना सीमित हुई है।
- इसकी पुष्टि पूर्व योजना आयोग ने भी अपने वक्तव्यों के माध्यम से कर चुका है।
- इस योजना के माध्यम से वितरित किए जाने वाले खाद्यान्नों की उचित रख-रखाव की समस्या के परिणामस्वरूप खाद्यान्नों की गुणवत्ता निम्न होती है।
- खराब गुणवत्ता के कारण खरीद और बिक्री प्रभावित होती है।
- इस प्रकार खाद्यान्नों की गुणवत्ता, ग्रामीण क्षेत्रों तक सीमित पहुँच, अवास्तविक लाभार्थियों का शामिल होना तथा शहरी क्षेत्रों में अधिक झुकाव के कारण यह अपने लक्ष्य से पीछे होता दिख रहा है।
- इसी कारण यह प्रतिगामी की भूमिका में नजर आ रहा है। जिसके कारण इसका महत्त्वपूर्ण लक्ष्य सामाजिक न्याय प्रभावित हो रहा है।

अंत में संक्षिप्त निष्कर्ष दें।

* * *